

11/9/23

समावली पेण हूँ। वकिण प्रपरी कथना
प्रकी इपल्लि-नी ही है। कावडा दिवनाई
वाडे। वाकनुड आवाज के कोर एजिर
नी ही है। कल प्रपतर कल फेरी कल
हाजरी के रवियज विभा जाल है।



सहायक कलक्टर
मालसोड विभा-दौसा (राज.)

